Daily Gospel Reflections in Hindi

20 June 2019

योहन 6:51-59

THIS IS THE LIFE-GIVING BREAD THAT CAME DOWN FROM HEAVEN

आज के सुसमाचार में येसु जीवन की रोटी की आवश्यकता के बारे में बताते है। येसु कहते है कि अनंत जीवन के लिए जीवन की रोटी ग्रहण करना होगा, इस का और कोई विकल्प नहीं है। वाक्य 51 में वचन कहता है यदि कोई वह रोटी खायेगा तो वह सदा जीवित रहेगा। आगे कहते है 'यदि तुम मानव पुत्र का मांस नहीं खाओगे और उसका रक्त नहीं पीयोगे तो तुम्हें जीवन प्राप्त नहीं होगा' (v53)

दो बाते येसु स्पष्ट करते है। पहली बात है कि यह जीवन की रोटी येसु का माँस। येसु अपना शरीर रोटी के रूप में देते है। हर मिस्सा बलिदान में रोटी येसु के शरीर में बदला जाता है। दूसरी बात यह है कि यह रोटी 'मानहू' के सदृश नहीं है जिसे यहूदी जनता ने मरूभूमि में खायी थी, क्योंकि जिन्होंने मानहू खायी वे मृत्यु से बच नहीं सके लेकिन जो यह जीवन की रोटी खायेंगे वे कभी नहीं मरेंगे, मरने पर भी जीवित रहेंगे।

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019